3 Yr. Degree Course
(Minor)
based on NEP-2020
HINDI

(Effective from Session 2024-25)

(Batch: 2024-2027)

SAMBALPUR UNIVERSITY

JYOTI-VIHAR, BURLA, SAMBALPUR, ODISHA-768019

COURSE AT A GLANCE (NEP-U.G.)

SUBJECT: ACADEMIC SESSION: 2024-27

CORE-I COURSE

Course Number	Semester	Course Title	Type of Paper P-Practical NP-Non-practical	Credit Hour	Maximum Weightage of Marks
Paper-I	I	हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग-1	NP	4	100
Paper-II		मध्यकालीन हिन्दी कविता (निर्गुण एवं रामभक्ति काव्यधारा)	NP	4	100
Paper-III	II	कृष्णभक्ति एवं रीतिकालीन हिन्दी कविता	NP	4	100
Paper-IV		हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग-2	NP	4	100
Paper-V	III	अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग		4	100
Paper-VI		कार्यालयी हिन्दी		4	100
Paper-VII		हिन्दी कथा साहित्य (कहानी)		4	100
Paper-VIII	IV	साहित्य और संदर्भ : विविध वाद	NP	4	100
Paper-IX		हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास)	NP	4	100
Paper-X		आधुनिक हिन्दी कविता (1)	NP	4	100
Paper-XI	V	हिन्दी भाषा और भाषा विज्ञान	NP	4	100
Paper-XII		भारतीय काव्य शास्त्र	NP	4	100
Paper-XIII		आधुनिक हिन्दी कविता (2)	P	4	100
Paper-XIV	VI	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	NP	4	100
Paper-XV		तुलसीदास : साहित्य और दर्शन	NP	4	100
Paper-XVI	VII			4	100
Paper-XVII				4	100
Paper-XVIII				4	100
Paper-XIX				4	100
Paper-XX	VIII			4	100
Paper-XXI				4	100
Paper-XXII				4	100
Paper-XXIII				4	100

CORE-II/CORE-III COURSE

Course Number	Semester Core-II/ Core-III	Course Title	Type of Paper P-Practical NP-Non-practical	Credit Hour	Maximum Weightage of Marks
Paper-I	I/II	हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग-1	NP	4	100
Paper-II	III/IV	मध्यकालीन हिन्दी कविता (निर्गुण एवं रामभक्ति काव्यधारा)	NP	4	100
Paper-III	V/VI	कृष्णभक्ति एवं रीतिकालीन हिंदी कविता	NP	4	100
Paper-IV	VII			4	100
Paper-V	VIII			4	100

SEMESTER- I

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग - 1)

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

This paper represents the entire scenario of 1000-1375 Samvat of social changes reformation, culture and history of India.

UNIT - I

हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ (केवल परिचय), काल विभाजन एवं नामकरण ।

UNIT - II

आदिकाल की पृष्ठभूमि, आदिकाल के प्रमुख कवि, आदिकाल की प्रमुख रचनाएँ, आदिकाल की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ।

UNIT - III

भक्तिकाल की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ, निर्गुण काव्यधारा (ज्ञान मार्ग एवं प्रेम मार्ग) निर्गुण काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं रचनाएँ।

सगुण काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ।

UNIT - IV

रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीति काव्य का परिचय, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ, प्रवृत्तियाँ

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास -आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   नागरी प्रचारणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का उदभव और विकास -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
4. भक्ति काव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र
5. Social Life and concepts in Medieval Hindi Bhakti Poetry - Dr. Savitri Chandra
6. भारतीय चिंतन परंपरा - के. दामोदरन
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास -लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
8. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास -डा. रामकुमार वर्मा

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have:

- the knowledge on prominent books of history of Hindi Literature.
- the knowledge of ancient period of Hindi Literature, prominent poets and trends simultaneously they can understand our ancient history and great warriors and kings.
- the knowledge about the bhakti period and its trends. And know the cause why the society of this century has suddenly turned towards bhakti trends.
- Learn about the background of Ritikaal and its poets and trends, to satisfy the patron king poetry was mostly written either in Sringar Rasa or to advise them politely not to take any wrong action.

SEMESTER-II

2. मध्यकालीन हिंदी कविता

(निर्गुण एवं रामभक्ति काव्यधारा)

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20=40
End term-60

COURSE OUTCOME:

As we see many religions in bhakti tends through Indian Philosophy were spread over in this country. In Hindi, poets has taken up those trends and presented the books to the society as per requirement. Students can be able to understand the history and philosophy of India in a creative way.

UNIT – I

निर्गुण भक्ति काव्य का स्वरूप, ज्ञानमार्ग और प्रेम मार्ग, रामभक्ति काव्य का स्वरूप, प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ

UNIT – II

कबीर -पद संख्या :-

2. रहना नहिं देस बिराना है
4. साधो, देखा जग बौराना
5. तोको पीव मिलेंगे

साखी - पद संख्या (1 से 21)

UNIT-III

मलिक मुहम्मद जायसी -नागमती वियोग –वर्णन (पद संख्या 1 से 15)

UNIT – IV

तुलसी दास -भरत महिमा (पद संख्या 1 से 14)

पाठ्य पुस्तक:

1. हिन्दी काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	-मैनेजर पाण्डेय
2. हिंदी सूफी काव्य की भूमिका	-रामपूजन तिवारी।
3. राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य	-कैलाश नारायण तिवारी
4. कबीर की विचारधारा	-गोविंद त्रिगुणायत
5. भक्ति काव्य यात्र	-रामस्वरूप चतुर्वेदी

6. तुलसीदास -रामचन्द्र शुक्ल

7. कबीर -हजारी प्रसाद द्विवेदी

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have:

- Learn about the poetry of bhaktikaal.
- They can learn about poetry of Kabir Das.
- They can learn about the Sufi poetry.
- Can learn poetry of Tulsi Das..

SEMESTER-III

3.कृष्णभक्ति एवं रीतिकालीन हिन्दी कविता

Credit-04
Classes-60 hours

Total marks-100
MS+CE=20+20
End term-60

COURSE OUTCOME:

This paper aims at making the student aware of Krishna Bhakti Poetry and it's prominent poet namely Raskhan, Bihari and Ghananand.

UNIT - I

कृष्णभक्ति काव्य का स्वरूप, कृष्ण भक्ति के प्रमुख कवि :
सूरदास : विनय के पद-1 से 5
भ्रमरगीत- 6 से 13

UNIT – II

रसखान- पद
3- मानुष हैं तो वही
4- या लकुटि और कमरिया
6- सेस गनेस महेस
10- मोरपखा परि उपर
12- कान्ह भये बस बाँसुरी के

मीरा - 1. बसो मोरे नैनन में नंदलाल
3. माई री! मैं तो लियो गोविन्दो मोल
6. दरस बिन दूखण लागे नैण
8. कोई कहियौरे ! प्रभु आवण की
9. मेरे तो गिरिधर गोपाल दूसरो न कोई

UNIT -III

बिहारी : भक्ति, ऋतु वर्णन, एवं नीति के दोहे (1 से 26)

UNIT - IV

घनानन्द: प्रेम साधना, प्रेम की अनन्यता, उपालंभ के पद (1, 2, 3, 4 और 5)

पाठ्य पुस्तक:

1. हिन्दी काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. रीतिकाव्य की भूमिका	-डॉ. नरेन्द्र
2. हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल	-महेन्द्र कुमार
3. बिहारी	-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. धनानन्द और स्वच्छन्द काव्य धारा	-मनोहर लाल गौड़

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

COURSE LEARNING OUTCOME:

After reading this paper, student should have:

- The Knowledge about the Krishna Bhakti Poetry and it's prominent poet.
- The Knowledge about the poetry of Raskhan.
- The Knowledge about the poetry of Biharilal.
- The Knowledge about the poetry of Ghananand.